यूपी के डिफेंस कॉरिडोर पर 72 देशों ने दिखाई दिलचस्पी

छोटे हथियारों से लेकर मिसाइल, एयरोस्पेस, ड्रोन और गोला बारूद तक के निर्माण हब के रूप में उभर रहा उत्तर प्रदेश

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। हथियार और रक्षा उपकरणों के निर्माण में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े हब के रूप में उभर रहा है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस)-2026 के दौरान प्रदेश के डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) के रक्षा उत्पादों को लेकर 72 देशों के निवेशकों और खरीदारों ने रुचि दिखाई है।

ट्रेड शो में यूपी डिफेंस कॉरिडोर के तहत प्रदर्शित अत्याधुनिक काल ड्रोन, मिसाइल तकनीक और सुरक्षा उपकरणों ने विदेशी खरीदारों का ध्यान सबसे ज्यादा खींचा। प्रदेश सरकार के मुताबिक राज्य में निर्मित रक्षा उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण वैश्विक निवेशकों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। राज्य में पिस्टल और छोटे हथियारों से लेकर मिसाइल, एयरोस्पेस, ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स और एम्युनिशन तक रक्षा उत्पादन के अलग-अलग क्षेत्रों के लिए औद्योगिक आधार तैयार किया जा रहा है। डिफेंस कॉरिडोर के विभिन्न नोड्स में रणनीतिक रक्षा क्षेत्रों के लिए औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार का जोर सिर्फ कंपनियों को जमीन देने तक सीमित नहीं है। परियोजनाओं के लिए औद्योगिक स्तर की बिजली, जलापूर्ति, सड़क और अंतिम-मील कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं जो निवेशकों को आकर्षित कर रहीं।

ब्रह्मोस और काल ड्रोन बने आकर्षण : उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को ट्रेड शो में रक्षा विनिर्माण व आत्मनिर्भर भारत के एक प्रमुख केंद्र के रूप में प्रदर्शित किया गया है। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल की प्रतिकृति और अत्याधुनिक काल ड्रोन आकर्षण का केंद्र बने हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच ट्रेड : शो में करीब छह दर्जन अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की भागीदारी अंतरराष्ट्रीय बाजार की दिलचस्पती को दिखाती है। रक्षा व एयरोस्पेस के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल-ईवी, आईटी, फार्मा, लॉजिस्टिक्स और विनिर्माण क्षेत्रों को भी प्रदर्शित किया जा रहा है।

उत्पादन के साथ डिजाइन व तकनीक पर भी जोर : यूपी डिफेंस कॉरिडोर में रक्षा क्षेत्र में सिर्फ उत्पादन क्षमता नहीं, बल्कि डिजाइन और तकनीक को मजबूत करने पर भी जोर है। आईआईटी कानपुर,आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने की पहल की गई है।